डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा सिंधी युवा लेखक सम्मिलन की शुरुआत
युवाओं की अपनी सोच खुली रखनी चाहिए – वासदेव मोही

नई दिल्ली। 7 नवंबर 2019; साहित्य अकादेमी द्वारा आज द्वि–दिवसीय सिंधी युवा लेखक सम्मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सिंधी परामर्श मंडल के सयोंजक नामदेव ताराचंदाणी ने की और बीज वक्तव्य सिंधी परामर्श मंडल के सदस्य वासदेव मोही ने दिया। उद्घाटन वक्तव्य सिंधी अकादमी दिल्ली की उपाध्यक्ष मोहिनी हिंगोराणी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आरंभ में सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि सिंधी भारतीय उपमहाद्वीप की एक प्राचीन भाषा है जिसकी सभ्यता और संस्कृति बहुत ही व्यापक है। उन्होंने सिंधी भाषा के विकास के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए युवाओं से जुड़ी हुई योजनाओं की भी जानकारी दी। अपने आरंभिक वक्तव्य में प्रख्यात सिंधी साहित्यकार मोहन हिमथाणी ने कहा कि युवाओं को सिंधी में क्या लिखे और क्यों लिखें कि स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि सिंधी भाषा इतनी समृद्ध है कि उसमें हर विधा में लेखन किया जा सकता है। मोहिनी हिंगोराणी ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में विभाजन का ज़िक्र करते हुए कहा कि सीमा रेखाएँ किसी भाषा की साहित्य और संस्कृति के फैलाव को सीमित नहीं कर सकती। उन्होंने युवाओं से लिखने से पहले खूब पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपनी भाषा ही नहीं बल्कि दूसरी भाषाओं के अनुवादों को भी पढ़ना चाहिए। अपने बीज वक्तव्य में वरिष्ठ सिंधी साहित्यकार वासुदेव मोही ने सिंधी भाषा पर आए वर्तमान संकट का ज़िक्र करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी खुली सोच के साथ अपनी सृजनात्मक क्षमताओं का विकास करना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि कुदरत की हर शह में कहानी और कविताएँ छुपी होती हैं। आपको केवल वह नज़र विकसित करनी है जो उसे पकड़ सके। उन्होंने युवाओं से विश्व व्यापी सोच के साथ स्थानीय स्तर पर जुड़े रहने की अपील की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में वरिष्ठ साहित्यकार और सिंधी परामर्श मंडल के संयोजक ने युवाओं से कहा कि छपने की जल्दी से अच्छा है कि पहले वे वरिष्ठ साहित्यकारों को पढ़े और एक नयी दृष्टि के साथ सृजन के क्षेत्र में सक्रिय हो। उन्होंने अपने लिखे की समीक्षा खुद ही करने की अपील करते हुए कहा कि युवाओं को उनपर लिखी हुई समीक्षाओं से प्रभावित नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें अपने सृजनात्मक विकास में सहयोगी मानना चाहिए।

सम्मिलन के अगले दो सत्रों में युवाओं ने राकेश शेवाणी एवं जयेश शर्मा की अध्यक्षता में क्रमशः कविता एव कहानी–पाठ प्रस्तुत किए। अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करने वाले थे – निशा धनवाणी, जितेंद्र चौथाणी, दिव्या धनवाणी,मोनिका पंजवाणी एवं समीक्षा लच्छवाणी। कार्यक्रम का संचालन उपसचिव एन. सुरेश बाबू ने किया।

कल होने वाले सत्रों में कविता एवं कहानी के साथ ही एकांकी पाठ भी प्रस्तुत किए जाएँगे।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

साहित्य अकादेमी
ساهتيہ اَكادمي

सिंधी युवा लेखक सम्मिलन
نوجوان سنڌي ليکڪ سيمينار

7-8 नवम्बर 2019

मोहन हिमथाणी
MOHAN HIMTHANI

के. श्रीनिवासराव
सचिव, साहित्य अकादेमी

नामदेव ताराचंदाणी
NAMDEV TARACHANDANI